* P A P - 1 6 0 1 0 3 0 4 0 1 0 5 0 5 0 0 *

PAP-1601030401050500 Seat No. ________

B. A. (Sem. V) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

October / November – 2018

Hindi : Paper-5

(Compulsory)

(Aadhunik Upnyas : Gaban Evam Vyakaran)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं ।

(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(३) प्रत्येक प्रश्न के अंक दाहिनी ओर दिये गये हैं ।

१ प्रेमचंद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी कृतियों का परिचय दीजिए । १४

अथवा

१ 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु का संक्षेप में विवरण देते हुए उसकी प्रमुख समस्याओं की समीक्षा कीजिए । १४

२ ''रमानाथ भारतीय मध्यवर्गीय समाज के युवकों की सभी अच्छाइयों और बुराइयों का मिला जुला रूप अपने व्यक्तित्व से प्रकट करता है ।'' इस विधान पर सम्यक् प्रकाश डालिए । १४

अथवा

२ उपन्यास कला की दृष्टि से 'गबन' की समीक्षा कीजिए । १४

३ ''गबन उपन्यास की नायिका जालपा इस उपन्यास की केन्द्रबिन्दु है ।'' इस बात को ध्यान में रखते हुए जालपा का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

३ ''सिद्ध कीजिए 'गबन' नारी की आभूषण प्रियता की त्रासदी की कहानी है ।'' प्रस्तुत कथन की चर्चा कीजिए । १४

४ ''गबन के अन्तर्गत प्रेमचंद ने शताब्दियों से पद दलित और अपमानित की गई नारी के चरित्र को भली–भाँति उजागर किया है ।'' गबन के नारी–चरित्रों के आधार पर इस कथन की यथार्थता पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

४ ''गबन उपन्यास में तदयुगीन महाजनी व्यवस्था पर सम्यक् प्रकाश डाला गया है ।'' इस विधान की सोदाहरण चर्चा कीजिए । १४

५ (अ) कोई **एक** व्यवसायिक पत्र लिखिए : ७

अपने ग्रंथालय द्वारा मँगवाई गई पुस्तकों के न मिलने पर वाणी प्रकाशन, दरिया गंज, नयी दिल्ली – 110001 । के प्रकाशक और विक्रेता के नाम एक शिकायती पत्र लिखिए ।

अथवा

'दिव्य भारती विद्यालय,' गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, के ग्रंथपाल की ओर से अपने ग्रंथालय के लिए कुछ संदर्भ ग्रन्थों की प्राप्ति के लिए, लोक भारती प्रकाशन, १५–ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद–१ को एक आदेश–पत्र लिखिए ।

(ब) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक का अर्थ विस्तार के साथ लिखिए : ७

(१) कादर मन कहुँ एक अधारा ।
दैव दैव आलसी पुकारा ॥

(२) मान सहित विष खाय के, संभु भये जगदीस ।
बिना मान अमृत पिये, राहु कटायो सीस ॥

(३) दिन दस आदरु पाइ कै करि लै आपु बखानु ।
जौ लगि काग सराध परवु तौ लगि तौ सनमानु ॥